CA 7th May, 2022 (HINDI)

CS MENTORS
civil services MENTORS
IAS ACADEMY

मई- 2022

CS Mentors | SCO 13-14-15, 3rd Floor, Sector-34A, Chandigarh.
Contact: (+91) 8822299444.**Website:** www.thecsmentors.com

Topics

1. ताड़ का तेल
2. गगन
3. इलेक्ट्रिक वाहनों में आग
4. राष्ट्रीय खुफिया ग्रिड
5. आरबीआई की ब्याज दर में बढ़ोतरी
6. भारत-नॉर्डिक देशों की द्विपक्षीय वार्ता
7. एक लाइनर

CS Mentors IAS Academy

ताड़ का तेल

दुनिया के सबसे बड़े उत्पादक , निर्यातक और पाम तेल के उपभोक्ता इंडोनेशिया ने घोषणा की कि वह खाना पकाने के तेल की घरेलू कमी को कम करने और इसकी आसमान छूती कीमतों को कम करने के लिए कमोडिटी और इसके कच्चे माल के सभी निर्यात पर प्रतिबंध लगाएगा।

रूस-यूक्रेन संघर्ष के परिणामस्वरूप वैश्विक खाद्य कीमतों में वृद्धि के बीच यह घोषणा की गई।

वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में ताड़ के तेल का महत्व

- ✓ पाम तेल दुनिया का सबसे व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाने वाला वनस्पति तेल है , जिसका फसल वर्ष 2020 में वैश्विक उत्पादन 73 मिलियन टन (एमटी) से अधिक है। चालू वर्ष के लिए उत्पादन 77 मीट्रिक टन होने का अनुमान है।
- ✓ अफ्रीकी तेल हथेली से निर्मित , इसका उपयोग खाना पकाने के तेल के रूप में किया जाता है , और सौंदर्य प्रसाधन से लेकर प्रसंस्कृत भोजन से लेकर सफाई उत्पादों तक हर चीज में उपयोग किया जाता है।
- ✓ ताड़ के तेल उद्योग की आलोचना उन कारणों से हुई है, जो कथित तौर पर टिकाऊ उत्पादन प्रथाओं के कारण वनों की कटाई, और शोषणकारी श्रम प्रथाओं को औपनिवेशिक युग से आगे बढ़ाया गया है।
- ✓ हालांकि, ताड़ का तेल कई लोगों द्वारा पसंद किया जाता है क्योंकि यह सस्ता है , पाम तेल अन्य वनस्पति तेल संयंत्रों की तुलना में प्रति हेक्टेयर अधिक तेल का उत्पादन करते हैं। इंडोनेशिया और मलेशिया मिलकर वैश्विक ताड़ के तेल उत्पादन का लगभग 90% हिस्सा बनाते हैं , जिसमें इंडोनेशिया 2021 फसल वर्ष में 43 मीट्रिक टन से अधिक की सबसे बड़ी मात्रा का उत्पादन करता है।
- ✓ चार सबसे व्यापक रूप से उपयोग किए जाने वाले खाद्य तेलों: पाम , सोयाबीन, रेपसीड (कैनोला) और सूरजमुखी के तेल की वैश्विक आपूर्ति का 40% ताड़ का तेल बनाता है। पाम तेल की वैश्विक आपूर्ति के 60% के लिए इंडोनेशिया जिम्मेदार है।

खाद्य तेलों की बढ़ती कीमतों के कारण

वैकल्पिक वनस्पति तेलों की कम आपूर्ति के कारण मांग बढ़ने से इस साल पाम तेल की कीमतों में तेजी आई। दूसरे सबसे अधिक उत्पादित तेल सोयाबीन तेल का उत्पादन इस साल प्रभावित होने की संभावना है क्योंकि प्रमुख उत्पादक अर्जेंटीना में सोयाबीन का मौसम खराब रहा है। पिछले साल कनाडा में सूखे के कारण कैनोला तेल का उत्पादन प्रभावित हुआ था और सूरजमुखी तेल की आपूर्ति, जिसका 80-90% रूस और यूक्रेन द्वारा उत्पादित किया जाता है, चल रहे संघर्ष के कारण बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

भारत पर प्रभाव

- ✓ भारत ताड़ के तेल का सबसे बड़ा आयातक है जो इसके वनस्पति तेल की खपत का 40% बनाता है। भारत अपनी सालाना जरूरत का आधा 8.3 मीट्रिक टन पाम तेल इंडोनेशिया से पूरा करता है। पिछले साल , केंद्र ने भारत के घरेलू पाम तेल उत्पादन को बढ़ावा देने की अपनी योजना का भी अनावरण किया।
- ✓ कमोडिटी की बढ़ती कीमतों के बावजूद , मार्च में भारत के पाम तेल के आयात में पिछले महीने की तुलना में 21% की बढ़ोतरी हुई क्योंकि व्यापारियों ने सूरजमुखी के तेल के विकल्प सुरक्षित करने के लिए स्थानांतरित कर दिया, जिसे अब यूक्रेन से नहीं खरीदा जा सकता था।

CS Mentors IAS Academy

गगन

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने राजस्थान के किशनगढ़ हवाई अड्डे पर गगन-आधारित लोकलाइज़र परफॉर्मेंस विद वर्टिकल गाइडेंस (एलपीवी) अप्रोच प्रोसीजर का उपयोग करके लाइट ट्रायल सफलतापूर्वक किया है।

सफल परीक्षण भारतीय नागरिक उड्डयन क्षेत्र के इतिहास में एयर नेविगेशन सर्विसेज (एएनएस) के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि और प्रमुख मील का पत्थर है। भारत एशिया प्रशांत क्षेत्र में ऐसा मील का पत्थर हासिल करने वाला पहला देश है।

एलपीवी जमीन पर आधारित नौवहन बुनियादी ढांचे की आवश्यकता के बिना , विमान निर्देशित दृष्टिकोण की अनुमति देता है जो परिचालन रूप से कैट-आईआईएलएस के बराबर है। यह सेवा इसरो द्वारा लॉन्च किए गए जीपीएस और गगन भू-स्थिर उपग्रहों की उपलब्धता पर निर्भर करती है। किशनगढ़ हवाई अड्डे पर परीक्षण, प्रारंभिक गगन एलपीवी उड़ान परीक्षणों के भाग के रूप में किए गए थे। डीजीसीए द्वारा अंतिम मंजूरी के बाद, वाणिज्यिक उड़ानों के उपयोग के लिए प्रक्रिया उपलब्ध होगी।

गगन के बारे में

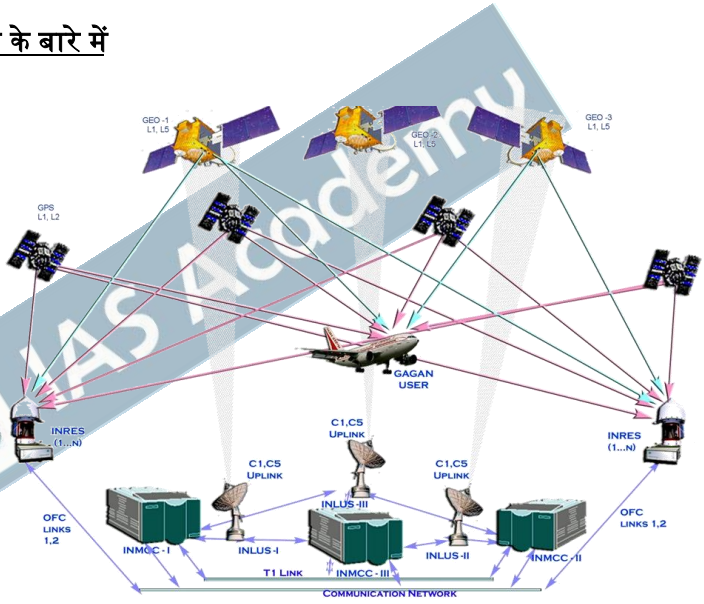

- ✓ गगन एक भारतीय उपग्रह आधारित ऑग्मेंटेशन सी स्टेम (एसबीएएस) है जिसे भारत सरकार द्वारा 2015 में लॉन्च किया गया था। गगन का मतलब जीपीएस एडेड जीईओ ऑगमेंटेड नेविगेशन है।
- ✓ एसबीएएस एक विस्तृत क्षेत्र वृद्धि प्रणाली है जो जीपीएस जैसे ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (जीएनएसएस) नेविगेशन सिग्नल को बढ़ी हुई सटीकता और अखंडता प्रदान करती है।
- ✓ गगन को आवश्यक सटीकता , निरंतरता, उपलब्धता और अखंडता प्रदान करने के लिए लागू किया गया है ताकि उपयोगकर्ता/विमान उड़ान के सभी चरणों के लिए जीपीएस पर भरोसा कर सकें।
- ✓ इसे भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा विकसित किया गया था।
- ✓ भारत (गगन), संयुक्त राज्य अमेरिका (वाइड एरिया ऑग्मेंटेशन सिस्टम- WAAS) यूरोप (यूरोपीय जियोस्टेशनरी नेविगेशन ओवरले सर्विस- ईजीएनओएस) और जापान (एमटीसैट सैटेलाइट ऑग्मेंटेशन सिस्टम- एमएसएएस) दुनिया में केवल चार अंतरिक्ष-आधारित वृद्धि प्रणाली उपलब्ध हैं।
- ✓ गगन भूमध्यरेखीय क्षेत्र में भारत और पड़ोसी देशों के लिए विकसित इस तरह की पहली प्रणाली है।

गगन से लाभ

- ✓ वन्यजीव संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन और वनों की निगरानी के लिए गगन प्रणाली का उपयोग किया जा रहा है।
- ✓ यह भारतीय रेलवे को सिग्नलिंग के लिए नौवहन सहायता प्रदान कर सकता है।
- ✓ देश में सभी राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए सड़क संपत्ति प्रबंधन प्रणाली (RAMS) विकसित किए जाने की संभावना है और एक आधुनिक प्रबंधन प्रणाली जो गगन प्रणाली का उपयोग करेगी।
- ✓ ट्रैफिक जाम से बचने के लिए वास्तविक समय में यातायात को प्रबंधित करने के लिए गगन संकेतों का भी उपयोग किया जा सकता है।

CS Mentors IAS Academy

इलेक्ट्रिक वाहनों में आग

केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) में बैटरी विस्फोटों की हालिया श्रृंखला की जांच के लिए एक विशेषज्ञ पैनल का गठन किया है।

इलेक्ट्रिक वाहन (ईवीएस)

- ✓ ईवी ऐसे वाहन हैं जो या तो आंशिक रूप से या पूरी तरह से विद्युत शक्ति से संचालित होते हैं।
- ✓ जबकि कुछ इलेक्ट्रिक वाहनों में लेड एसिड या निकेल मेटल हाइड्राइड बैटरी का उपयोग किया जाता है , आधुनिक बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए मानक को अब लिथियम आयन बैटरी माना जाता है।
- ✓ लेकिन, हाल ही में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स (ETWs) में आग लगने की घटनाओं ने इन वाहनों की गुणवत्ता और सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

लिथियम - ऑइन बैटरी

- ✓ प्रत्येक ली-आयन बैटरी में तीन सक्रिय घटक होते हैं
  - ➢ **एनोड**- आमतौर पर ग्रेफाइट
  - ➢ **कैथोड**- आमतौर पर निकल, कोबाल्ट और मैंगनीज-आधारित ऑक्साइड पर आधारित होता है
  - ➢ **इलेक्ट्रोलाइट**- आमतौर पर एक अकार्बनिक विलायक में लिथियम का नमक
- ✓ एनोड और कैथोड की चादरें शॉर्टिंग को रोकने के लिए एक पतली विभाजक (मोटाई में लगभग 15 माइक्रोन) द्वारा अलग रखी गई सैंडविच संरचना में इकट्ठी की जाती हैं।
- ✓ इलेक्ट्रोड की आकस्मिक कमी ली-आयन कोशिकाओं में आग लगने का एक ज्ञात कारण है।
- ✓ सुरक्षा सुविधाएँ, जैसे थर्मल स्विच, जो बैटरी के ज़्यादा गरम होने पर बंद हो जाती हैं, को बैटरी सेल में जोड़ दिया जाता है।
- ✓ बैटरी सेल को मॉड्यूल में इकट्ठा किया जाता है और फिर पैक में इकट्ठा किया जाता है जो ऑपरेशन के दौरान न्यूनतम थर्मल भिन्नता के साथ एक समान तापमान प्रोफ़ाइल सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

बैटरी में आग लगने के कारण

- ✓ "अग्नि त्रिकोण" के तीन भागों - ऊष्मा , ऑक्सीजन और ईंधन के अभिसरण के कारण बैटरी में आग लगती है।
- ✓ हीट- अगर बैटरी में शॉर्ट सर्किट जैसी कोई प्रतिकूल घटना होती है , तो आंतरिक तापमान बढ़ सकता है क्योंकि एनोड और कैथोड ऑक्सीजन के साथ-साथ अनियंत्रित तरीके से अपनी ऊर्जा छोड़ते हैं।
- ✓ ऑक्सीजन- इस तरह की घटनाएं सीलबंद बैटरी को भी तोड़ देती हैं , जिससे अग्नि त्रिकोण के दूसरे भाग , अर्थात् ऑक्सीजन के घटकों को उजागर किया जाता है।

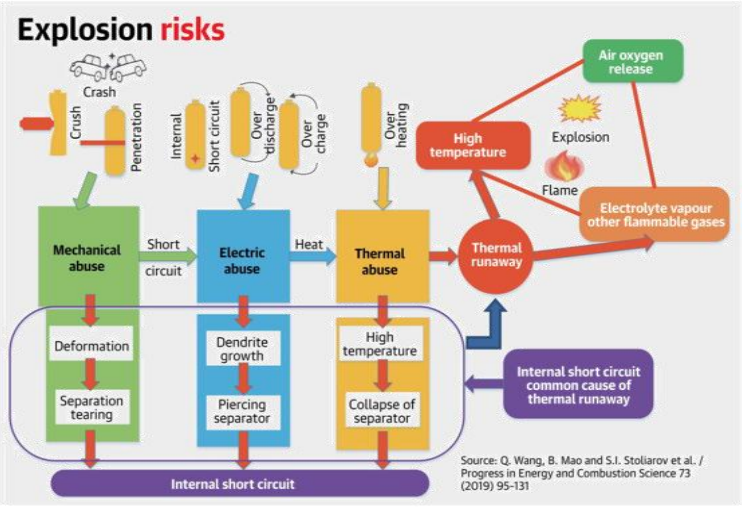

- ✓ ईंधन- त्रिभुज का अंतिम घटक तरल इलेक्ट्रोलाइट है, जो ज्वलनशील होता है और ईंधन के रूप में कार्य करता है।

CS Mentors IAS Academy

बैटरी आग के लिए ट्रिगर

- ✓ आंतरिक **शॉर्ट्स** - विनिर्माण दोष जिसके परिणामस्वरूप तेज वस्तुएं विभाजक को भेदती हैं
- ✓ **बाहरी घटनाएं**
  - ➢ सेल का पंचर और इलेक्ट्रोड का छोटा होना
  - ➢ बैटरी को ओवरचार्ज करना
  - ➢ दोषपूर्ण बैटरी प्रबंधन प्रणाली
  - ➢ मॉड्यूल और पैक स्तर पर खराब थर्मल डिजाइन

राष्ट्रीय खुफिया ग्रिड

- ✓ केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री ने नेशनल इंटेलिजेंस ग्रिड (NATGRID) बेंगलुरु परिसर का उद्घाटन किया।
- ✓ नेटग्रिड की परिकल्पना भारत की आतंकवाद रोधी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक तकनीक विकसित करने के लिए की गई है।
- ✓ NATGRID देश में डेटा संग्रह एजेंसियों से फैली हुई जानकारी तक पहुँचने के लिए एक IT प्लेटफ़ॉर्म है।
- ✓ संदिग्धों को ट्रैक करने के लिए एक मजबूत तंत्र के रूप में परिकल्पित , NATGRID वास्तविक समय के डेटा के साथ आतंकवादी हमलों को रोकता है और वर्गीकृत जानकारी जैसे कि आव्रजन , बैंकिंग, व्यक्तिगत करदाताओं, आदि तक पहुंच को रोकता है।
- ✓ NATGRID 11 केंद्रीय एजेंसियों और सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की पुलिस के लिए उपलब्ध होगा।

आरबीआई की ब्याज दर में बढ़ोतरी

भारत के केंद्रीय बैंक ने उच्च उपभोक्ता कीमतों को नियंत्रित करने के प्रयास में दो साल में पहली बार बेंचमार्क ब्याज दर बढ़ाई है।

आरबीआई का कदम

- ✓ **रेपो दर**- भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने रेपो दर को बढ़ाकर वाणिज्यिक बैंकों को 40 आधार अंक बढ़ाकर 4.4% कर दिया।
- ✓ कोविड-19 महामारी के दौरान यह दर घटकर 4% के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गई थी।
- ✓ **सीआरआर-** नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) नकदी का वह प्रतिशत है जिसे बैंकों को सिस्टम से अतिरिक्त तरलता निकालने के लिए अपनी कुल जमाराशियों के विरुद्ध आरक्षित रखने की आवश्यकता होती है।
- ✓ आरबीआई ने सीआरआर में 50 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी की घोषणा की है।

आरबीआई की ब्याज दर बढ़ाने की वजह

- ✓ **यूक्रेन संकट**- भारत के लिए प्रासंगिक मुद्रास्फीति-संवेदनशील वस्तुएं जैसे खाद्य तेल यूरोप में संघर्ष और प्रमुख उत्पादकों द्वारा निर्यात प्रतिबंध के कारण कमी का सामना कर रहे हैं।
- ✓ **मुद्रास्फीति**- रेपो दर और सीआरआर में बढ़ोतरी करके, आरबीआई का लक्ष्य मुद्रास्फीति (पहले से ही 7% के करीब) को अपने वांछित स्तर पर रखना है।
- ✓ यू.एस. फेडरल रिजर्व के नेतृत्व में उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में केंद्रीय बैंक नीति सामान्यीकरण का मार्ग अपना रहे हैं।
- ✓ **वित्तीय बाजारों में अस्थिरता** - लेकिन पूंजी प्रवाह में अस्थिरता की संभावनाओं ने विनिमय दर पर दबाव डाला और आयातित मुद्रास्फीति के जोखिम को बढ़ा दिया है।

CS Mentors IAS Academy

- ✓ **महामारी-** यह तथ्य कि उपन्यास कोरोनावायरस अभी भी गुप्त है और यह संक्रमण की एक नई लहर को ट्रिगर कर सकता है , जैसा कि चीन में देखा गया है, अनिश्चितता को जोड़ता है।
- ✓ **आर्थिक विकास-** हाल की जीडीपी विज्ञप्ति बताती है कि वैश्विक आर्थिक सुधार गति खो रहा है।

<u>निर्णय का प्रभाव</u>

- ✓ रेपो दर में वृद्धि का प्रभाव- रेपो दर में वृद्धि का मतलब है कि बैंकों के लिए धन की लागत बढ़ जाएगी , जिससे आने वाले दिनों में बैंकों और एनबीएफसी को उधार और जमा दरों को बढ़ाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।
- ✓ एसबीआई और कई बैंकों ने हाल ही में एमसीएलआर (फंड-आधारित उधार दर की सीमांत लागत) को बढ़ा दिया है , जिससे दर में बढ़ोतरी की आशंका है।
- ✓ एमसीएलआर (मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स बेस्ड लेंडिंग रेट) सबसे कम ब्याज दर है जो एक बैंक या ऋणदाता दे सकता है।
- ✓ कुछ विश्लेषकों का कहना है कि रेपो रेट में बढ़ोतरी से खपत और मांग पर असर पड़ सकता है।
- ✓ घर, वाहन और अन्य व्यक्तिगत और कॉर्पोरेट ऋणों पर समान मासिक किस्तें (ईएमआई) बढ़ने की संभावना है।
- ✓ लगभग चार साल बाद रेपो दर में बढ़ोतरी के बाद जमा दरों में भी वृद्धि होना तय है।
- ✓ सीआरआर वृद्धि का प्रभाव- सीआरआर में 50 आधार अंकों की वृद्धि से बैंकिंग प्रणाली से 87,000 करोड़ रुपये निकल जाएंगे और बैंकों के ऋण योग्य संसाधनों में कमी आएगी।
- ✓ इसका मतलब यह भी है कि फंड की लागत बढ़ जाएगी और बैंकों के शुद्ध ब्याज मार्जिन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

यदि आरबीआई किसी प्रणाली में अधिक तरलता डालना चाहता है , तो यह सीआरआर को कम करता है और बैंकों को उधार देने के लिए अधिक तरलता के साथ छोड़ देता है। अगर आरबीआई सिस्टम से लिक्विडिटी खत्म करना चाहता है तो वह सीआरआर रेट बढ़ा देता है।

भारत-नॉर्डिक देशों की द्विपक्षीय वार्ता

हाल ही में, भारत के प्रधान मंत्री ने डेनमार्क, नॉर्वे, स्वीडन, आइसलैंड और फिनलैंड के अपने समकक्षों के साथ कई द्विपक्षीय बैठकें कीं।

बैठकों में, द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा करने के तरीकों के बारे में चर्चा की गई और क्षेत्रीय और वैश्विक विकास पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया।

बैठक डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन में दूसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन के मौके पर आयोजित की गई थी।

दूसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन की पृष्ठभूमि

- ✓ दूसरा संस्करण दुनिया को प्रभावित करने वाली दो सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं की पृष्ठभूमि में आयोजित किया गया।
  - एक महामारी के बाद आर्थिक सुधार है, और दूसरा यूक्रेन और रूस के बीच जारी युद्ध है।
- ✓ अर्थव्यवस्था, व्यापार और निवेश के अलावा, शिखर सम्मेलन को कल्याणकारी राज्य की अवधारणा के दृष्टिकोण से देखा जा सकता है जो पूंजीवाद और लोकतांत्रिक प्रथाओं के साथ-साथ कल्याण मॉडल को बाजार अर्थव्यवस्था के साथ मिलाता है।

CS Mentors IAS Academy

- ✓ भारत ने नॉर्डिक कंपनियों को ब्लू इकोनॉमी क्षेत्र में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया , विशेष रूप से सागरमाला परियोजना में।
- ✓ भारत की आर्कटिक नीति आर्कटिक क्षेत्र में भारत-नॉर्डिक सहयोग के विस्तार के लिए एक अच्छा ढांचा प्रदान करती है।
- ✓ नॉर्डिक देशों ने एक सुधारित और विस्तारित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता के लिए अपना समर्थन दोहराया।
- ✓ 2018 में शिखर सम्मेलन के उद्घाटन संस्करण में , नेतृत्व का ध्यान वैश्विक सुरक्षा , आर्थिक विकास, नवाचार और जलवायु परिवर्तन पर था, जबकि विकास के चालक के रूप में नवाचार और डिजिटल परिवर्तन पर जोर दिया गया था।
    - o पहले शिखर सम्मेलन में नई दिल्ली के प्रमुख प्रोग्रामर्स जैसे मेक इन इंडिया , स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया और स्वच्छ भारत के लिए आवेदन के विस्तार का पता लगाने की मांग की गई, भारत की स्मार्ट सिटी परियोजना के लिए नॉर्डिक देशों की सतत शहरों परियोजना का समर्थन।
    - o पहले शिखर सम्मेलन में , नॉर्डिक देशों ने परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह में सदस्यता के लिए भारत के आवेदन का स्वागत किया।

<u>बैठक की मुख्य बातें</u>

- ❖ **भारत-डेनमार्क**: यूक्रेन में युद्ध, भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) मुक्त व्यापार समझौते और इंडो-पैसिफिक की स्थिति सहित द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए आपसी हित के व्यापक मुद्दों पर चर्चा की।
    - o हरित हाइड्रोजन, नवीकरणीय ऊर्जा और अपशिष्ट जल प्रबंधन पर ध्यान देने के साथ हरित सामरिक साझेदारी को और मजबूत करने पर सहमत हुए।
- ❖ **भारत-नॉर्वे**: दोनों नेताओं ने ब्लू इकोनॉमी , नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, सौर और पवन परियोजनाओं , हरित शिपिंग, मत्स्य पालन, जल प्रबंधन, वर्षा जल संचयन , अंतरिक्ष सहयोग, दीर्घकालिक अवसंरचना निवेश , स्वास्थ्य और संस्कृति जैसे क्षेत्रों में जुड़ाव को गहरा करने की क्षमता पर चर्चा की।
    - o भारतीय प्रधान मंत्री ने जोर देकर कहा कि नॉर्वे भारत की हाल ही में घोषित आर्कटिक नीति का एक प्रमुख स्तंभ है।
- ❖ **भारत-स्वीडन:** बैठक के दौरान , दोनों नेताओं ने संयुक्त कार्य योजना में प्रगति का जायजा लिया और उद्योग संक्रमण पर संयुक्त रूप से शुरू किए गए नेतृत्व समूह (लीडआईटी) पहल के विस्तार के दायरे की सराहना की।
    - o यह भारत-स्वीडन की संयुक्त वैश्विक पहल थी , जिसने सितंबर 2019 में संयुक्त राष्ट्र जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन में उद्योग संक्रमण पर एक नेतृत्व समूह (लीडआईटी) की स्थापना की , ताकि दुनिया के सबसे भारी ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जक उद्योगों को निम्न-कार्बन अर्थव्यवस्था की ओर मार्गदर्शन करने में मदद मिल सके।
    - o प्रधान मंत्री मोदी की 2018 की स्वीडन यात्रा के दौरान , दोनों पक्षों ने आगे बढ़ने के लिए एक व्यापक संयुक्त कार्य योजना को अपनाया जिसमे दोनों पक्षों ने रक्षा, व्यापार और निवेश, नवीकरणीय ऊर्जा, स्मार्ट शहरों, महिलाओं के कौशल विकास, अंतरिक्ष और विज्ञान और स्वास्थ्य सेवा थे
- ❖ **भारत-आइसलैंड**: दोनों नेताओं ने विशेष रूप से भू-तापीय ऊर्जा , नीली अर्थव्यवस्था, आर्कटिक, नवीकरणीय ऊर्जा, मत्स्य पालन, खाद्य प्रसंस्करण, डिजिटल विश्वविद्यालयों सहित शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्रों में आर्थिक सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।
    - o भारत-यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) व्यापार वार्ता में तेजी लाने पर भी चर्चा हुई।

CS Mentors IAS Academy

- **भारत-फिनलैंड**: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम कंप्यूटिंग, भविष्य की मोबाइल प्रौद्योगिकियों, स्वच्छ प्रौद्योगिकियों और स्मार्ट ग्रिड जैसी नई और उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में सहयोग के विस्तार के अवसरों के संबंध में चर्चा की गई।
  - भारतीय प्रधान मंत्री ने फिनिश कंपनियों को भारतीय कंपनियों के साथ साझेदारी करने और भारतीय बाजार में विशेष रूप से दूरसंचार बुनियादी ढांचे और डिजिटल परिवर्तनों में मौजूद विशाल अवसरों का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया।

भारत के लिए नॉर्डिक देशों का महत्व

- ✓ भारत और नॉर्डिक देश मजबूत व्यापारिक साझेदारी का आनंद लेते हैं , हालांकि इन देशों का अर्थशास्त्र व्यक्तिगत रूप से जी20 देशों की तुलना में बहुत छोटा है।
  - संयुक्त सकल घरेलू उत्पाद 1.6 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक है , जिसकी प्रति व्यक्ति आय लगभग 54,000 अमेरिकी डॉलर है।
  - भारत और नॉर्डिक देशों के बीच कुल द्विपक्षीय व्यापार और सेवाएं 13 अरब अमेरिकी डॉलर है।
- ✓ **सहयोग के क्षेत्र:** जिन देशों में तकनीकी कौशल और बढ़ते व्यापारिक संबंध हैं, वे आपसी हित के पांच क्षेत्रों में सहयोग का पता लगाएंगे।
- ✓ इनमें हरित साझेदारी, डिजिटल और नवाचार अर्थव्यवस्था, व्यापार और निवेश संबंध, सतत विकास और आर्कटिक क्षेत्र के संबंध में सहयोग शामिल हैं।
- ✓ संयुक्त राज्य अमेरिका के अलावा, भारत एकमात्र ऐसा देश है जिसके साथ नॉर्डिक देशों की शिखर स्तरीय बैठकें होती हैं।

एक लाइनर

- भारत के केंद्रीय विदेश मंत्रालय ने त्रिपक्षीय विकास निगम (TDC) नामक एक मंच शुरू किया है।
- महाराष्ट्र के पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे ने मुंबई में आने-जाने में आसानी के लिए गेटवे ऑफ इंडिया से चर्चगेट रोड पर एक टैप-इन टैप लॉन्च किया।
- कर्नाटक के स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा मंत्री के. सुधाकर ने 'निमोनिया को सफलतापूर्वक बेअसर करने के लिए सामाजिक जागरूकता और कार्रवाई' (SAANS) की शुरुआत की।
- जापान और रूस के बीच कुरील द्वीप विवाद दक्षिण कुरील द्वीप समूह की संप्रभुता को लेकर है। इन द्वीपों पर जापान द्वारा दावा किया जाता है लेकिन रूस द्वारा सोवियत संघ के उत्तराधिकारी राज्य के रूप में कब्जा कर लिया गया है।
- स्लोवेनिया के प्रधान मंत्री चुनाव में रॉबर्ट गोलोब ने तीन बार के प्रधान मंत्री जेनेज जानसा को हराया है।
- सर डेविड एटनबरो को UNEP द्वारा चैंपियंस ऑफ द अर्थ लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड 2021 के प्राप्तकर्ता के रूप में नामित किया गया था।
- मालदीव के ऊर्जा संक्रमण कार्यक्रम को सुविधाजनक बनाने के लिए भारत और मालदीव दोनों देशों के बीच अक्षय ऊर्जा के हस्तांतरण के लिए एक ट्रांसमिशन इंटरकनेक्शन स्थापित करने की योजना बना रहे हैं।
- इस्पात मंत्रालय ने हाल ही में घोषणा की कि देश ने 13.5 मिलियन टन (एमटी) तैयार स्टील का निर्यात 1 लाख करोड़ रुपये और लगभग 46000 करोड़ रुपये के आयातित स्टील का निर्यात किया।
- हिमाचल प्रदेश सरकार ने राज्य के कांगड़ा , कुल्लू, चंबा, सिरमौर और बिलासपुर जिलों में सात रोपवे परियोजनाओं के विकास के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। हिमाचल प्रदेश में अभिनव परिवहन समाधान के रूप में रोपवे के

विकास के लिए रोपवे और रैपिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (आरटीडीसी) एचपी लिमिटेड और नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक मैनेजमेंट लिमिटेड (एनएचएलएमएल) के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

- जम्मू के सांबा जिले का पल्ली गांव देश की पहली कार्बन-न्यूट्रल पंचायत बन गया है , जो पूरी तरह से सौर ऊर्जा से संचालित है।
- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2022 में लिथुआनिया में एक नया भारतीय मिशन खोलने के प्रस्ताव को मंजूरी दी।
- इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने 'डिजिटल इंडिया आरआईएससी-वी माइक्रोप्रोसेसर (डीआईआर-वी) ' कार्यक्रम शुरू किया। इसका उद्देश्य माइक्रोप्रोसेसरों के निर्माण को सक्षम बनाना और दिसंबर 2023 तक उद्योग-ग्रेड सिलिकॉन और डिज़ाइन जीत हासिल करना है।
- बिहार देश के पहले इथेनॉल संयंत्र का उद्घाटन पूर्णिया जिले में हुआ है।
- इसने SHAKTI और VEGA के वाणिज्यिक सिलिकॉन के लिए मील के पत्थर भी स्थापित किए और दिसंबर 2023 तक उनकी डिजाइन जीत गई। DIR-V भारत को दुनिया के लिए RISC-V टैलेंट हब के साथ-साथ आपूर्तिकर्ता बनाने के लिए स्टार्टअप्स, अकादमिक और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ साझेदारी करेगा। सर्वर , मोबाइल डिवाइस, ऑटोमोटिव, IoT और माइक्रोकंट्रोलर के लिए RISC-V SoC (सिस्टम ऑन चिप्स)।
- भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय सांपला को दूसरी बार राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग (एनसीएससी) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।
- इंडिगो स्वदेशी नेविगेशन सिस्टम गगन का उपयोग करके अपने विमान को उतारने वाली एशिया की पहली एयरलाइन बन गई है।
- ताल्लिन, एस्टोनिया नाटो कोऑपरेटिव साइबर डिफेंस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस , जिसे CCDCOE के रूप में संक्षिप्त किया गया है, लॉक्ड शील्ड्स 2022 का आयोजन कर रहा है।
- महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने भारत में अपनी तरह की पहली परियोजना 'महाराष्ट्र जीन बैंक ' को मंजूरी दी। इसका उद्देश्य देशी प्राकृतिक संसाधनों का दस्तावेजीकरण करना और जैव विविधता संरक्षण और पारंपरिक ज्ञान को शामिल करने के लिए स्थानीय समुदायों के साथ उनका संरक्षण करना है।
- संयुक्त राज्य अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि ने बौद्धिक संपदा अधिकारों के अमेरिकी व्यापारिक भागीदारों के संरक्षण और प्रवर्तन की प्रभावशीलता पर "विशेष 301 रिपोर्ट" जारी की।
- प्रसिद्ध हिम तेंदुआ विशेषज्ञ और वन्यजीव संरक्षणवादी चारुदत्त मिश्रा ने प्रतिष्ठित व्हिटली गोल्ड अवार्ड जीता है।
- सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) इंजीनियरिंग चमत्कार, अटल टनल, हिमाचल प्रदेश में रोहतांग में निर्मित, को नई दिल्ली में इंडियन बिल्डिंग कांग्रेस (आईबीसी) 'बेस्ट इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट' का पुरस्कार मिला।
- मद्रास उच्च न्यायालय ने एक जीवित व्यक्ति के सभी संबंधित अधिकारों , कर्तव्यों और देनदारियों के साथ मदर नेचर को एक जीवित प्राणी घोषित करने के लिए "माता-पिता के अधिकार क्षेत्र" का आह्वान किया है।
- ओडिशा राज्य एसटी और एससी विकास विभाग ने एक आदिवासी स्वास्थ्य वेधशाला (ट्राईएचओबी) स्थापित करने के लिए क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान केंद्र (आरएमआरसी) , भुवनेश्वर के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। ओडिशा में जनजातीय स्वास्थ्य में समानता सुनिश्चित करने के लिए इसे देश में पहला कहा जा रहा है। TriHOb ओडिशा की जनजातीय आबादी के स्वास्थ्य पर एक भंडार स्थापित करेगा। ओडिशा आदिवासी परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण भी शुरू किया गया था।

CS Mentors IAS Academy